जिस्मानी रिश्तों की चाह -32

“मैंने अपनी उंगलियाँ आपी की चूत के दाने से उठाईं
और चूत के अन्दर दाखिल करने के लिए नीचे दबाव
दिया ही था कि आपी फ़ौरन बोलीं- सगीर.. रुको ना..
हाय प्लीज.. उईईई.. और ऊपर.. रगड़ो ना..
आआहह.. ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: शनिवार, जुलाई 16th, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह -32

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह -32

सम्पादक जूजा
मैंने आपी के उरोजों को चूसते हुए उनका हाथ पकड़ा और अपनी सलवार के ऊपर से ही अपने लंड पर रखवा दिया, आपी ने एकदम मेरे लण्ड को अपनी मुट्ठी में दबा लिया।

आपी को लण्ड पकड़ा कर मैंने अपना हाथ उनकी रान पर रखा और सलवार के ऊपर से ही रान को सहलाते हुए अपना हाथ उनकी टाँगों के दरमियान रख दिया।

आपी मेरे हाथ को अपनी चूत पर महसूस करते ही उछल पड़ीं और बोलीं- नहीं सगीर.. प्लीज़ यहाँ नहीं.. टच मत करो न..
उन्होंने अपनी टाँगों को आपस में दबा लिया।

मैंने अपना हाथ हटाया और तेजी से आपी के मम्मों को चूसने और दबाने लगा..
कुछ ही देर में आपी की साँसें बहुत तेज हो गईं और जिस्म अकड़ना शुरू हो गया।

मैंने दोबारा हाथ उनकी टाँगों के दरमियान रख दिया.. आपी ने कुछ कहने के लिए मुँह खोला ही था कि मैंने अपने होंठ उनके होंठों से लगा दिए और ज़ुबान उनके मुँह में डाल दी।

इस बार मेरी दो उंगलियाँ सीधी उनकी चूत के दाने पर ही छुई थीं.. जिससे आपी के जिस्म को एक झटका लगा और उन्होंने बेसाख्ता अपनी टाँगें थोड़ी खोल दीं।

मैंने आपी की चूत के दाने को सहलाते हुए दोबारा उनके निप्पल को अपने मुँह में लिया और चूसने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने अपनी उंगलियाँ आपी की चूत के दाने से उठाईं और चूत के अन्दर दाखिल करने के लिए नीचे दबाव दिया ही था कि आपी फ़ौरन बोलीं- सगीर.. रुको ना.. हाय प्लीज.. उईईई.. और ऊपर.. रगड़ो ना.. आआहह..

आपी की साँसें बहुत तेज हो गई थीं और जिस्म मुकम्मल तौर पर अकड़ गया था। आपी मेरे लण्ड को भी अपनी तरफ खींचने लगी थीं।
मुझे भी ऐसा महसूस हो रहा था कि शायद मैं अब कंट्रोल नहीं कर पाऊँगा.. मैंने बहुत तेज-तेज आपी की चूत के दाने को रगड़ना शुरू कर दिया था और उनके निप्पल को चूसने और दाँतों से काटने लगा था।

अचानक ही आपी का जिस्म बिल्कुल अकड़ गया और उन्होंने अपने कूल्हे बिस्तर से उठा दिए.. मेरे लण्ड पर आपी की गिरफ्त बहुत सख़्त हो गई थी.. वो अपनी पूरी ताक़त से मेरे लण्ड को अपनी मुट्ठी में भींचने लगी थीं।

फिर आपी के जिस्म ने 2 शदीद झटके लिए.. और उनके मुँह से बहुत लंबी ‘आआआआआहह..’ निकली.. उनकी चूत ने पानी छोड़ दिया था।

उसी वक़्त मेरे लण्ड को भी झटका लगा और मेरे लण्ड का जूस मेरी सलवार को गीला करने लगा।

मेरे हाथ की हरकत रुक गई थी और मैं आपी के सीने के उभार पर ही मुँह रखे हुए निढाल सा लेट गया।
आपी की साँसें आहिस्ता-आहिस्ता मामूल पर आ रही थीं।

काफ़ी देर तक ऐसे ही लेटे रहने के बाद आपी ने मेरे सिर पर हाथ फेरना शुरू किया और बोलीं- सगीर उठो.. मुझे भी उठने दो..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं आँखें बंद किए बिल्कुल निढाल पड़ा था, मैंने आपी की बात का जवाब नहीं दिया और मेरे मुँह से सिर्फ़ एक 'हूऊऊन्न्न्..' निकली।

आपी ने नर्मी से मेरे चेहरे को अपने सीने के उभार से उठाया और मेरे नीचे से निकल गईं और तकिया उठा कर मेरे चेहरे के नीचे रख दिया।

मैं वैसे ही बेतरतीब सी हालत में उल्टा.. बिस्तर पर पड़ा रहा। मुझे ऐसे लग रहा था जैसे मेरे जिस्म से बिल्कुल जान निकल गई है और अब मैं कभी उठ नहीं पाऊँगा।

'देखो सगीर ऐसा लग रहा है.. मैंने पेशाब किया है.. पूरी सलवार गीली हो रही है।' आपी यह बोल कर खुद ही हँसने लगीं।

मैंने बोझिल से अंदाज़ में आँखें खोल कर देखा तो आपी अपनी टाँगों को फैलाए.. सलवार को दोनों हाथों से पकड़ कर देख रही थीं।

कोई आवाज़ ना सुन कर आपी ने मेरी तरफ देखा और खिलखिला कर हँसने लगीं- हालत तो देखो ज़रा शहज़ादे की.. मुर्दों की तरह पड़े हो..

मैंने कुछ नहीं कहा.. बस झेंपी हुई सी हँसी हँस दिया।

आपी बिस्तर से उठते हुए बोलीं- सगीर तुम लोगों के पास मेरे या हनी के कपड़े तो ज़रूर होंगे.. जिनसे तुम मज़े लिया करते थे।

मेरी तरफ से कोई जवाब ना पा कर वो बाथरूम की तरफ चली गईं।
मैंने भी आँखें बंद कर लीं क्योंकि मैं बहुत कमज़ोरी महसूस कर रहा था।

आपी बाथरूम से बाहर आईं और फिर पूछा- सगीररर.. हमारा कोई सूट पड़ा है या नहीं??

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने आँखें खोल कर देखा तो आपी आईने के सामने नंगी खड़ी अपने बालों को ब्रश कर रही थीं और अपनी सलवार शायद बाथरूम में ही उतार आई थीं।

मैंने अपनी बहन के नंगे जिस्म पर नज़र मारी.. तो अपनी क़िस्मत पर रश्क आया कि खुदा ने कितना हसीन और मुकम्मल जिस्म दिया है मेरी बहन को.. सीने के उभारों की मुकम्मल गोलाइयाँ.. कूल्हों की खूबसूरत शेप.. लंबी सुडौल टाँगें.. भारी-भारी रानें.. लंबे स्लिम बाज़ू.. खूबसूरत हाथ.. गोया जिस्म का हर हिस्सा इतना मुकम्मल है कि हर हिस्से की तारीफ में गज़ल कही जा सकती है।

'मेरी पैंट की पॉकेट में चाभी पड़ी है.. अलमारी में सूट होगा, आप देख लें..' मैंने मरी सी आवाज़ में कहा और फिर आपी के जिस्म को निहारने लगा।

बालों में ब्रश करने के बाद आपी ने मेरी पैन्ट से चाभी निकाली और अल्मारी में कोई सूट देखने लगीं और एक सूट उन्हें मिल ही गया। लेकिन क़मीज़ अलग और सलवार अलग थी।

लाइट ग्रीन लॉन की क़मीज़.. आपी की थी और वाइट सलवार हनी की थी।

'ये कब से यहाँ पड़ी है.. मैं ढूँढ ढूँढ कर पागल हुए जा रही थी..' आपी ने गुस्सा करते हुए कहा।

मैंने एक नज़र आपी के हाथ में पकड़ी क़मीज़ को देखा और कहा- यह तो बहुत दिनों से यहाँ पड़ी है.. लेकिन सलवार तो कल रात को ही फरहान कहीं से उठा कर लाया था।

आपी ने क़मीज़ पहनी और सलवार पहनने के लिए फैलाई थी कि कुछ देख कर चौंक गईं।

मैंने आपी के चेहरे के बदलते रंग देखे तो पूछा- अब क्या हो गया आपी ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी सलवार लेकर मेरी तरफ आते हुए बोलीं- ये देखो ज़रा.. इस हनी कमीनी को ज़रा भी अहसास नहीं है कि घर में अब्बू होते हैं.. मामू आते-जाते हैं.. 2 जवान भाई हैं.. ऐसी चीजें तो घर की औरतें 1000 तहों में छुपा कर रखती हैं कि किसी की नज़र ना पड़े।

मैंने आपी के हाथ में पकड़ी हुई सलवार को देखा तो उसमें 3-4 बड़े-बड़े लाल रंग के धब्बे पड़े हुए थे।

पहले तो मुझे कुछ समझ नहीं आया और जब समझ आया तो मैंने मुस्कुराते हुए आपी से कहा- तो क्या हो गया आपी.. आपको मेनसिस नहीं होते क्या.. जो इतना गुस्सा हो रही हैं ?

'होते हैं.. पर मैं एक दिन पहले से ही पैड लगा लेती हूँ.. अगर कभी इतिफ़ाक़न सलवार गंदी हो भी जाए.. तो उसी वक़्त धो डालती हूँ.. ऐसे शो पीस बना के नहीं रखती..'

आपी ने बदस्तूर उसी लहजे में कहा और सलवार हाथ से फेंक कर फरहान की एक पुरानी पैंट पहन ली।

'आपी आप पैंट में और ज्यादा हसीन लग रही हो..'

'अपनी हालत तो देखो.. उठा जा नहीं रहा..' और फिर मेरी नक़ल उतारते हुए बोलीं- आपी आप पैंट में बहुत हसीन लग रही हो..

मुझे आपी का यह अंदाज़ बहुत अच्छा लगा और मैं मुस्कुरा दिया।

'उठो नबाव साहब.. अपनी हालत सही कर लो.. मैं नीचे जा रही हूँ कुछ देर बाद अम्मी भी उठ जाएंगी..'

आपी यह कह कर कमरे से बाहर निकल गईं और मैं वैसे ही आधा नंगा उल्टा पड़ा रहा,

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कमज़ोरी की वजह से मुझे नींद भी आने लगी थी।

'सगीर उठो.. सगीर.. उठो, दूध पी लो और चेंज करो.. शाबाश जल्दी से उठ जाओ..' मेरी गहरी नींद टूटी और आँखें खुलीं.. तो आपी मुझे कंधे से पकड़ कर हिला-डुला रही थीं और उन्होंने दूध का गिलास पकड़ा हुआ था।
वो अपने असली हुलिया यानि स्कार्फ और चादर पर वापस आ चुकी थीं।

मैं फिर से आँखें बंद करते हुए शरारत से बोला- अब कभी गिलास से नहीं पिऊँगा.. आपी आप सीधे ही पिला दिया करो ना..

आपी ने हँसते हो तंज़िया लहजे में कहा- अपनी हालत तो देखो ज़रा..! सीधे पिला दिया करो..!! सीधे पीने का शौक है.. लेकिन अपना आपा संभाला नहीं जाता..

वे दूध का गिलास साइड में टेबल पर रख कर मुझे सीधा करने लगीं- चलो सगीर इंसान बनो अब.. उठ भी जाओ..

मैं सीधा हो कर लेट गया लेकिन उठा नहीं.. वैसे ही बिस्तर पर पड़ा रहा।

आपी ने मेरे अज़ार बंद को खोला और सलवार में हाथ फँसा कर झुंझलाहट से बोलीं- अपने कूल्हे ऊपर करो.. गंदे.. क्या हाल बनाया हुआ है..

मैंने अपने कूल्हे उठाए तो आपी ने मेरी सलवार को नीचे खींचते हुए पाँव से बाहर निकाल दिया और सलवार के साथ ही मेरी क़मीज़ भी उठा कर बटोर कर चली गईं।

आपी बाथरूम से वापस आईं तो उन्होंने हाथ में तौलिया पकड़ा हुआ था.. जिसका कोना पानी से गीला था।

आपी मेरी रानों.. बॉल्स और लण्ड के आस-पास के हिस्से को गीले तौलिये से साफ करते

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हुए कहने लगीं- तुम्हारी बीवी की तो जान हमेशा अज़ाब में ही रहेगी.. अपने बच्चों के साथ-साथ तुम्हारी भी गंदगी साफ करती रहेगी।

आपी ने यह कहा और एक हाथ से मेरे लण्ड को पकड़ कर दूसरे हाथ से गीले तौलिये से साफ करने लगीं।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

'मुझे बीवी की जरूरत ही नहीं है.. मेरी सोहनी सी बहना जी हैं ना मेरे पास..' मैंने मुस्कुरा कर कहा।
तो आपी ने रुकते हुए मेरे चेहरे पर एक नज़र डाली और कहा- हाँ, बहनें इसी काम के लिए ही तो रह गईं हैं अब..

खवातीन और हजरात, आपसे गुज़ारिश है कि अपने ख्यालात कहानी के अंत में जरूर लिखें।

यह वाकिया जारी है।
avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Clipsage

URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Antarvasna

URL: www.antarvasnasexstories.com **Average traffic per day:** 480 000 GA sessions **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Best and the most popular site for Hindi sex stories about Desi Indian sex.

Delhi Sex Chat

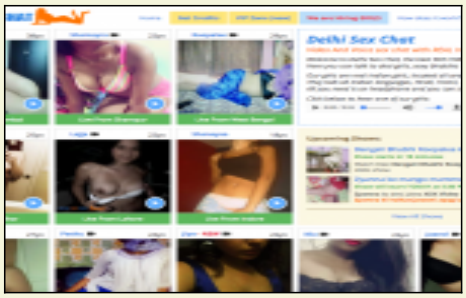

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire